प्रकाशनार्थ

पटना, 27 मई। यद्यपि बिहार के लोगों के लिए पेयजल की उपलब्धता में सुधार हुआ है, फिर भी बढ़ते शहरीकरण, तीव्र जनसंख्या वृद्धि और तेज आर्थिक विकास के कारण बिहार हाल के दिनों में जल संकट की स्थिति का सामना कर रहा है। ऐसे में जल संरक्षण की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा समर्थित तथा एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री), पटना द्वारा प्रबंधित ईआईएसीपी-आद्री ने "जल बचाओ" अभियान चलाया।

ये अभियान मिशन लाइफ आंदोलन के अंतर्गत आयोजित किए गए और मई माह के दौरान बिहार के 6 जिलों — शिवहर, जमुई, नवादा, सहरसा, भोजपुर और सीतामढ़ी — के 13 विद्यालयों में संचालित हुए। इनमें शिवहर जिले का डुम्मा मध्य विद्यालय तथा नवादा जिले का खपराही उत्क्रमित मध्य विद्यालय भी शामिल थे।

हालाँकि जल तक पहुँचना एक मानवाधिकार के रूप में मान्य है, इस बहुमूल्य संसाधन की अव्यावहारिक दाम लगाने से जल संकट को और बढ़ा दिया है। राज्य में भूजल स्तर चिंताजनक रूप से नीचे चला गया है। ईआईएसीपी की इस पहल का उद्देश्य स्कूलों के छात्रों को जल संरक्षण, सतत जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना था। इसके लिए संवादात्मक जागरूकता सत्रों एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

(अभिषेक प्रसाद)